भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

**विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-30-अगस्त-2020**

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

**संलग्नक:** उपरोक्त

**(-/sd)**

**सहायक निदेशक**

**उप निदेशक(-/sd)**

**निदेशक (-/sd)**

**सेवा में**

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

**जानकारी हेतु:** सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट http://cwc.gov.in/news-clipping पर देखें

The Tribune 30-August-2020

# Wettest August in India since 1976

NEW DELHI, AUGUST 29

The rainfall India received during August this year has been the highest for the month in the past 44 years, according to the IMD data.

Until August 28, the month recorded 25 per cent surplus rainfall. It has also surpassed the previous highest rainfall in August, which was recorded in 1983. In that year, August had recorded a 23.8 per cent excess rainfall.

As per the India Meteorological Department (IMD) data, the country had recorded a 28.4 per cent excess rainfall in August 1976.

The country has so far recorded 9 per cent more rainfall than normal. Bihar, Andhra Pradesh, Telangana, Tamil Nadu, Gujarat and Goa have recorded excess rainfall, while Sikkim has recorded a large excess. Many states witnessed floods as rivers swelled.

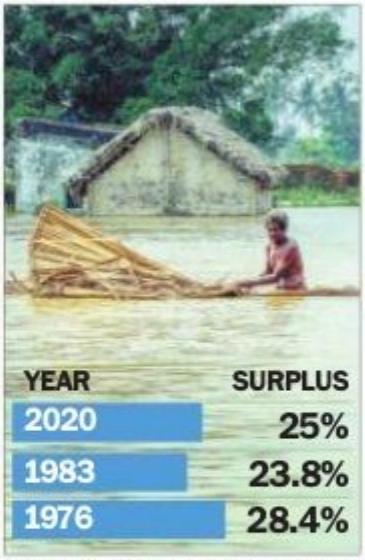


A flooded village in Odisha. PTI

According to the Central Water Commission (CWC), the overall storage position of the reservoirs in the country till August 27 was better than the corresponding period last year. It was also better than the average storage for the last 10 years during the corresponding period, the CWC said.

"Better than normal storage" is available in the basins of the Ganga, Narmada, Tapi, Mahi, Sabarmati, the rivers of Kutch, Godavari, Krishna, Mahanadi, Cauvery, the neighbouring east-flowing rivers and the west-flowing rivers of south India, the CWC said. The Union Territory of Jammu and Kashmir, Manipur, Mizoram and Nagaland have recorded a deficient rainfall. — PTI

# यमुना खतरे के निशान के करीब जल स्तर घटने की संभावना

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

यमुना शनिवार सुबह भी खतरे के निशान के करीब बहती रही, लेकिन जल स्तर के घटने की संभावना है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी ने कहा पुराना रेल पुल पर सुबह 10 बजे जल स्तर 204.23 मीटर था। शुक्रवार को शाम 5 बजे 204.41 मीटर और गुरुवार सुबह 10 बजे 203.77 मीटर था।

हरियाणा के यमुनानगर जिले के हथनीकुंड बैराज से सुबह 8 बजे 7,173 क्यूसेक की दर से यमुना में पानी छोड़ा जा रहा था। शुक्रवार को शाम 4 बजे प्रवाह दर 13,871 क्यूसेक थी, जो पिछले 24 घंटों में अधिकतम थी।

अधिकारी ने कहा पिछले दो दिनों में प्रवाह दर 10,000 क्यूसेक से 25,000 क्यूसेक के बीच बनी हुई है जो बहुत अधिक नहीं है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। बैराज से छोड़ी गई पानी को आम तौर पर राजधानी तक पहुंचने में दो-तीन दिन लगते हैं। इसी बैराज से दिल्ली को पीने का पानी प्रदान किया जाता है। दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में बारिश के कारण शुक्रवार को जल स्तर बढ़ गया।

# छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

**भाषा।** रायपुर

**छत्तीसगढ़** में पिछले दो दिनों हो रही भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है और इस बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बारिश प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत मुहैया कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार शाम अपने निवास कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से राज्य के सभी जिलों में अतिवृष्टि, नदी-नालों के उफान तथा बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को अतिवृष्टि तथा बाढ़ की वजह से लोगों की जान की सुरक्षा के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि अत्यधिक बारिश होने की वजह से कई जिलों में जन-जीवन प्रभावित हुआ है। कोविड-19 संक्रमण के साथ-साथ अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से निपटना दोहरी चुनौती है।

उन्होंने सभी संभागों के आयुक्तों, जिला कलेक्टरों तथा पुलिस अधीक्षकों को स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्परता से राहत पहुंचाने का निर्देश दिया।

बघेल ने कहा कि लगातार बारिश की वजह से राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। नदी-नाले उफान पर हैं। शहरी इलाकों में निचली बस्तियों में भी पानी भर गया है। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना तथा उन्हें राहत शिविरों में ठहराने के साथ ही उनके भोजन-पानी तथा स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण को देखते हुए राहत शिविरों में भी सामाजिक मेल जोल की दूरी के नियमों का पालन किया जाना चाहिए और सेनेटाईजेशन सहित अन्य इंतजाम भी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ की वजह से पेजयल स्रोत दूषित हो जाते हैं, ऐसी स्थिति में उन इलाकों के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों के पेयजल स्रोतों के क्लोरीनाईजेशन और चिकित्सा की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में अतिवृष्टि की वजह से प्रभावित लोगों को सुरक्षित रखने के लिए 219 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं। अतिवृष्टि और बाढ़ की वजह से 11 हजार 942 मकान आंशिक तथा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बीते 24 घंटे में राज्य के जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, रायगढ़ तथा रायपुर में सर्वाधिक बारिश रिकार्ड की गई है। जांजगीर-चांपा, रायगढ़, राजनांदगांव और बलौदाबाजार में कहीं-कहीं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

बैठक में जांजगीर-चांपा जिले के कलेक्टर ने बताया कि महानदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। जिले में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए हीराकुण्ड बांध का गेट कलेक्टर संबलपुर से आग्रह कर खुलवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में अतिवृष्टि तथा बाढ़ की वजह से चार हजार मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिले में बाढ़ प्रभावित 2091 लोगों को 45 राहत शिविरों में ठहराया गया है।

रायगढ़ जिले के कलेक्टर ने भी बताया कि बरमकेला इलाके के 18 और पुसौर क्षेत्र के नौ गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जिले में 21 राहत शिविर में 2389 लोगों को ठहराया गया है। बलौदाबाजार में अतिवृष्टि की 26 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए है और यहां 24 शिविरों में 1393 लोगों को ठहराया गया है। कलेक्टर बलौदा बाजार ने बताया कि बाढ़ में फंसे 35 लोगों को सुरक्षित निकाल कर राहत शिविर में पहुंचाया गया है। राजनांदगांव जिले के कलेक्टर ने बताया कि राजनांदगांव-कवर्धा मार्ग बंद है। खैरागढ़ स्थित आमनेर नदी के पुल के ऊपर पानी बह रहा है। शिवनाथ नदी के किनारे की बस्तियों में पानी भरा है। उन्होंने बताया कि जिले के मोंगरा बैराज, सूखा नाला और घुमरिया बैराज से 38 हजार क्यूबिक मीटर पानी छोड़ा जा रहा है।

# महानदी का जलस्तर बढ़ने से ओडिशा के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति

ओडिशा के खोरधा जिले में भार्गवी नदी के किनारे एक बाढ़ ग्रस्त गांव से पलायन करते स्थानीय निवासी

भाषा। भुवनेश्वर

**महानदी** का जल स्तर बढ़ने के कारण शनिवार को ओडिशा के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। छत्तीसगढ़ में इसके ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसके साथ ही हीराकुंड बांध के 44 जलद्वार खोल दिए गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओडिशा में संबलपुर के पास महानदी पर बने हीराकुंड बांध के 64 जलद्वारों में से 44 को अधिकारियों ने जलाशय से अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए खोल दिया है। हीराकुंड बांध की निगरानी का काम संभालने वाले अधिकारियों ने कहा, बांध के 40 जलद्वार शुक्रवार को खोले गए, वहीं जलाशय में पानी के भारी प्रवाह के बाद शनिवार सुबह चार और द्वार खोल दिए गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हीराकुंड बांध का जल स्तर बढ़कर 626.65 फुट हो गया है, जबकि जलाशय का उच्चतम स्तर 630 फुट है। उन्होंने कहा, जल का भारी प्रवाह और जल स्तर में वृद्धि के कारण जलाशय से अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता ज्योतिर्मय रथ ने कहा कि बृहस्पतिवार को पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में महानदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद, 8.99 लाख क्यूसेक से अधिक पानी अब हीराकुंड बांध में प्रवेश कर रहा है, जबकि 7.28 लाख क्यूसेक पानी बांध के 44 जलद्वारों के माध्यम से निकाला जा रहा है। ओडिशा की सबसे बड़ी नदी मानी जाने वाली महानदी के बेसिन क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है क्योंकि नदी का जल स्तर बढ़कर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।रथ ने कहा कि महानदी नदी में बाढ़ आने से पुरी, खुर्दा, कटक, जगतसिंहपुर, नयागढ़ और केंद्रपाड़ा के कुछ हिस्से सहित कई तटीय जिलों के प्रभावित होने की आशंका है।

# Bundelkhand gets ₹10K cr water projects

PNS ■ NEW DELHI

Prime Minister Narendra Modi on Saturday said the Government is committed to the development of drought-prone Bundelkhand region and around 500 projects worth over ₹10,000 crore have been sanctioned for improving water availability. In his address after the virtual inauguration of college and administration buildings of Jhansi-based Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, a prominent institute of the Bundelkhand region, the PM Modi said that India has controlled the spread of crop-threatening migratory pest desert locusts by using advanced technologies, including drones, and ensured there was not much crop damage.

Observing that the benefit of water from three rivers, Ken, Betwa and Yamuna, was not reaching the Bundelkhand region, Modi said the proposed Ken-Betwa river linking project has the potential to change the fortune of the area and the Centre is in discussion with both Uttar Pradesh and Madhya Pradesh on this issue. Besides water projects, Modi said thousands of crores worth of projects are being implemented in this region, including Bundelkhand Expressway and Defence Corridor, that will create job opportunities.

MODI SAID THE PROPOSED KEN-BETWA RIVER LINKING PROJECT HAS THE POTENTIAL TO CHANGE THE FORTUNE OF THE AREA

PM Modi stressed on the need to promote greater use of latest technologies in the farm sector. Modern technology is helping deal with the challenges related to agriculture. One example of it was how the Government used technology to minimise damage caused by locust attack in about 10 States recently," he said.

"In May, the Bundelkhand region had faced locust problem. ...I was told the region faced the locust attack after 30 years. Not only Uttar Pradesh, more than 10 states faced the locust problem," the PM said while talking about the locust attack in Bundelkhand.

Talking about the steps taken to minimise the problems faced by the people during the coronavirus pandemic, the PM said free rations are being provided to crores of poor and rural families in Uttar Pradesh.

Around 10 lakh poor women in Bundelkhand have been given free gas cylinders during this period. Under Garib Kalyan Rojgar Abhiyan, over 7 hundred crore rupees have been spent in UP so far, under which employment was provided to lakhs of workers.

After the inauguration, the Prime Minister interacted with university students and asked about ways to address certain challenges like reducing import of edible oils and increasing food processing, especially in fruits and vegetables.

Modi asked a student whether awareness among farmers can be created about micro, drip and sprinkler irrigation in the drought-prone Bundelkhand region. During the interaction, the Prime Minister stressed on promoting recycling of water and rainwater harvesting through innovative and less costlier technology in the region.

Invoking Rani Lakshmi Bai's Quote that "I will not give my Jhansi", the Prime Minister gave a clarion call for 'Meri Jhansi- Mera Bundelkhand' and urged the people of Jhansi and Bundelkhand to make Atmanirbhar Bharat Abhiyan a success.

The Prime Minister noted that Agriculture has a major role to contribute in 'Meri Jhansi- Mera Bundelkhand' Atmanirbhar Bharat Abhiyan. He said self-reliance in Agriculture targets at making Farmers both- producer as well as entrepreneur. PM said in line with this spirit, several historic agricultural reforms were taken. Just like other industries, now Farmers can also sell their produce anywhere in the country, wherever they fetch better prices.

Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University started its first academic session in 2014-15 and is offering both under-graduate and post-graduate courses in agriculture, horticulture and forestry. It is currently operating from the Indian Grassland and Fodder Research Institute, Jhansi as the main buildings were getting ready.

Speaking on the occasion, Agriculture Minister Narendra Singh Tomar said the inauguration was long awaited and will benefit farmers not only in the Bundelkhand region but the entire country. There is scope for promoting organic farming in the region towards which the government is working, he said, and added that the government is working towards doubling farmers' income by 2022.

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath said setting up of a central agricultural university in Jhansi will benefit the drought-prone Bundelkhand region and help farmers become self-reliant.

# 792 villages in 16 dists of UP affected by floods

PTI ■ LUCKNOW

As many as 792 villages in 16 districts of Uttar Pradesh have been affected by floods, with the Sharda and the Saryu rivers flowing above the danger mark at some places in the state, a government official said on Saturday.

The flood-affected districts in the state are Ambedkarnagar, Ayodhya, Azamgarh, Bahraich, Ballia, Barabanki, Basti, Deoria, Farrukhabad, Gonda, Gorakhpur, Kushinagar, Lakhimpur Khiri, Mau, Shahjahanpur and Sitapur.

According to the office of the relief commissioner, of 792 villages hit by the deluge, 437 villages are completely flooded.

The Sharda river was flowing above the danger mark at Palia Kalan in Lakhimpur Kheri, while the Saryu river was flowing above the danger mark at Ayodhya, Elgin Bridge in Barabanki and Turtipar in Ballia. Chairing a meeting of senior officials of the state government, Chief Minister Yogi Adityanath on Saturday said relief work in flood-hit areas should be conducted in full steam.

Ration kits and medical facilities should also be arranged in flood-affected areas, he said and asked officials to conduct an early survey of the damage to the crops and compensation payment.

Backward Class Welfare and Divyanjan Empowerment Minister Anil Rajbhar on Saturday said the chief minister has issued instructions to ensure constant patrolling of embankments and asserted that all embankments are safe.

Deccan Chronicle 30-August-2020

# Mahanadi river breaches at Banki in Odisha

AKSHAY KUMAR SAOO | DC
CUTTACK/JAJPUR, AUG. 29

Thousands of people were on Saturday marooned and hectares of agricultural lands got submerged as the river Mahanadi breached at Bhagipur under Banki block in Odisha's Cuttack district.

According to sources, initially, a breach measuring around five-foot wide was formed which later widened to around 60-foot causing a heavy flooding in the area. This is the second time after 1982 when the embankment of the state's major river caved in.

Vehicular movement on many routes disrupted as roads and bridges were submerged by the flood water.

Reports from Jajpur district said at least 26 breaches occurred in Brahmani, Baitarani, Kharasrota and Jalaka river systems, causing serious damage to standing crops and vegetables.

As many as seven human lives have been lost and two others have gone missing in the last three days. Several cattle and goats were reportedly washed away in the floods in north Odisha as major rivers like Budhabalanga and Subarnarekha flew above their danger marks.

Special Relief Commissioner (SRC) Pradeep Kumar Jena said 46 sluice gates of Hirakud dam were opened as the upper catchment areas of the Mahanadi received huge rainfall in the last 24 hours. The SRC stated that the inflow into Hirakud reservoir had increased by more than 1 lakh cusec and the water level is rising by 8 cm every hour. "While over 8.9 lakh cusec water is entering the Hirakud reservoir, more than 7.2 lakh cusecs of water is being discharged through 44 of the 64 sluice gates of the dam. The water level at Hirakud Dam stood at 626.37 ft as against the full reservoir level of 630 ft," Jena said. Till last reports came in, over 8.95 cusecs of water is flowing at Mundali barrage in Cuttack district which is likely to go up to 10 lakh cusec by Saturday evening.

The Statesman 30-August-2020

# Mahanadi flood threat persists

## Situation improves in other river systems

STATESMAN NEWS SERVICE
BHUBANESWAR, 29 AUGUST

The flood situation in Jajpur and Bhadrak districts continued to be grim even though it improved in Balasore and Mayurbhanj districts , all of which were affected by five rivers three days ago . But the flood in the Mahanadi system is expected in Cuttack, Jagatsinghpur, Nayagarh, Puri and Kendrapara districts.

Districts in the Mahanadi system have been put on alert . NDRF and ODRAF teams deployed. The flood waters are likely to reach these districts in the next 24 hours and with forecast of rains from tomorrow , the situation may worsen. Meanwhile, rivers Brahmani, Baitarani, Subarnarekha, Budhabalanga that had flooded Jajpur, Bhadrak, Balasore , Mayurbhanj districts showed signs of receding and water levels had dropped below their respective danger levels, informed Special Relief Commissioner P K Jena today.

As of now Jajpur is the worst hit followed by Bhadrak. Over one lakh people have been evacuated from low lying areas and thousands of villages marooned.

The flood situation in Jajpur district continued to be grim All ten blocks in the district have been badly affected by the floods caused by Baitarani, Brahmani, Kharasrota, Kani and Kelua rivers, officials said today. Over four lakh people of 530 villages under 124 gram panchayats of all ten blocks of the district have been affected by the flood.

The situation is grim in Bari, Rasulpur, Jajpur, Binjharpur, Dasarathapur, Dharmasala and Korei blocks in the district as over 400 villages under 104 gram panchayats of those seven blocks are marooned by the flood water of Baitarani, Brahmani, Kharasrota and Kani, a tributary of Batarani and Kelua, a branch of Brahmani river for the last two days.

Many villages of Bari, Rasulpur, Dasarathapur, Bimjharpur and Jajpur blocks of the district have been cut off from the rest of the world.

Road link between Bari and Kuakhia, Jajpur town and Bhandaripokhari, Bari and Kaipara, Bari and Ratnagiri have been cut off as these roads are under neck deep water caused by the floods.

Breaches in embankments of Baitarani, Brahmani ,Kharasrota, Kani and Keula rivers were reported at 24 different places .

The situation in Jajpur, Korei and Dasarathapur blocks are expected to improve soon as the water level in the Baitarani has receded," said Jajpur Collector Ranjan Kumar Das. The collector said as many as 127 free kitchens have been opened for the affected people.

Asian Age 30-August-2020

# Bundelkhand to get ₹10Kcr water projects

**New Delhi, Aug. 29:** Prime Minister Narendra Modi on Saturday said the government is committed to the development of drought-prone Bundelkhand region and around 500 projects worth over ₹10,000 crore have been sanctioned for improving water availability.

Observing that the benefit of water from three rivers, Ken, Betwa and Yamuna, was not reaching the Bundelkhand region, Mr Modi said the proposed Ken-Betwa river linking project has the potential to change the fortune of the area and the Centre is in discussion with both Uttar Pradesh and Madhya Pradesh on this issue.

He was addressing after the virtual inauguration of college and administration buildings of Jhansi-based Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University.

"Both the Centre and the UP government are committed towards development of Bundelkhand region and restore its historic identity and past glory," Mr Modi said.

**MINISTER NARENDRA** Modi said the government is committed to the development of drought-prone Bundelkhand region and around 500 projects worth over ₹10,000 crore have been sanctioned for improving water availability.

The Prime Minister mentioned that before the 2019 general polls, he had promised to improve water availability in the Bundelkhand region in the next five years and several initiatives have been taken in that regard.

"Due to their blessings, *Har Ghar Jal Abhiyan* (Tap water to every rural household) is working at a fast pace. Construction of water bodies and laying of pipelines in all districts are underway. The government has already sanctioned over ₹10,000 crore for 500 water projects for this purpose," he said. Of these, the work on projects worth nearly ₹3,000 crore has commenced in the last two months.

"When these projects get completed, lakhs of families in this region will directly benefit," he said. — *PTI*

Asian Age 30-August-2020

# Jal shakti ministry wants direct control of Swachch Bharat fund

ANIMESH SINGH
NEW DELHI, AUG. 29

**THE JAL Shakti ministry last month moved a cabinet note for seeking to shift the administrative control of SBK under its jurisdiction, and comments from all the concerned departments have been invited**

Six years after the Swachch Bharat Kosh (SBK) was set up by the Prime Minister Narendra Modi in September 2014 to achieve the target of a "clean India" by October 2019, the Jal Shakti ministry now wants direct administration of the cleanliness fund, and has sought Union Cabinet's nod for the purpose.

When Mr Modi had announced the launch of Swachch Bharat Mission (SBM) during his first Independence Day speech on August 15, 2014, the establishment of SBK was approved by the Union Cabinet on September 4, 2014. The fund was set up to attract contributions from corporate social responsibility (CSR) capital of companies as well as philanthropists to achieve the aforementioned objective. The Centre even offers tax rebate to contributors to SBK. However its administration in the form of a secretariat was handed over to the Department of Expenditure under the Finance Ministry.

Though the SBK was formed to release funds to states for undertaking works related to drinking water and sanitation, the finance ministry's nod is needed for releasing funds from SBK.

While states' proposals are invited by the Department of Drinking Water and Sanitation of the Union Jal Shakti Ministry, it has to seek Finance Ministry's approval for getting the state government's projects cleared and for getting the funds from SBK released.

Now, according to sources privy to developments, the Jal Shakti Ministry wants direct control of the secretariat of the SBK on the grounds that this would simplify the process of getting the funds and projects proposed by states cleared in the larger interest of achieving the objective of Swachch Bharat. It says that once the control of the fund falls under it, the system of clearing projects and issuing funds for them would get simplified.

Subsequently the Jal Shakti ministry last month moved a cabinet note for seeking to shift the administrative control of SBK under its jurisdiction, and comments from all the concerned departments have been invited for the same.

Millennium Post 30-August-2020

# 'Water projects worth ₹10K cr sanctioned for Bundelkhand'

OUR CORRESPONDENT

**NEW DELHI:** Prime Minister Narendra Modi on Saturday said the government is committed to the development of drought-prone Bundelkhand region and around 500 projects worth over Rs 10,000 crore have been sanctioned for improving water availability.

Observing that the benefit of water from three rivers, Ken, Betwa and Yamuna, was not reaching the Bundelkhand region, Modi said the proposed Ken-Betwa river linking project has the potential to change the fortune of the area and the Centre is in discussion with both Uttar Pradesh and Madhya Pradesh on this issue.

He was addressing after the virtual inauguration of college and administration buildings of Jhansi-based Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University.

"Both the Centre and the UP government are committed towards development of Bundelkhand region and restore its historic identity and past glory," Modi said.

The prime minister mentioned that before the 2019 general polls, he had promised to improve water availability in the Bundelkhand region in the next five years and several initiatives have been taken in that regard.

"Due to their blessings, 'Har Ghar Jal Abhiyan' (Tap water to every rural household) is working at a fast pace. Construction of water bodies and laying of pipelines in all districts are underway. The government has already sanctioned over Rs 10,000 crore for 500 water projects for this purpose," he said.

Of these, the work on projects worth nearly Rs 3,000 crore has commenced in the last two months.

"When these projects get completed, lakhs of families in this region will directly benefit," he said, adding that the government has also begun work on increasing the groundwater level in this region under groundwater management scheme.

Noting that the region was not getting the benefit of water despite three rivers, Modi said: "To change this situation, the Centre is working continuously. The Ken-Betwa River Link project has the potential to change the fortune of this region."

On this issue, the Centre is in discussion with two states. "I am sure, once the Bundelkhand region gets enough water, then life here will change fully," he added.

Besides water projects, Modi said thousands of crores worth of projects are being implemented in this region, including Bundelkhand Expressway and Defence Corridor, that will create job opportunities.

"The day is not far, Jhansi and adjacent areas which were famous for valour will make India Aatmanirbhar (self-reliant) in defence security," he said.

Stating that the region is known for "facing challenges" since the past, the prime minister said the people out here are bravely challenging the COVID-19 pandemic and even the government has made all efforts to minimise the hardships faced by the poor during this crisis.

The government is providing free ration, gas and depositing thousands of crores in women's Jan Dhan bank accounts across the country, including Bundelkhand region, he said.

"Around 10 lakh poor women in Bundelkhand region have been provided with free gas cylinder. Deposited thousands of crores in lakhs of Jan Dhan accounts of women," he said and added that about Rs 700 crore has been spent so far under the Garib Kalyan Rojgar Abhiyan in Uttar Pradesh alone.

He said that lakhs of workers are getting jobs due to this initiative.

Even many new ponds were being constructed and the old ones were being revived under this scheme, he added.

Millennium Post 30-August-2020

# Ample monsoon rains push India's summer crop planting to record

**NEW DELHI:** Plentiful monsoon rains spurred Indian farmers to plant summer crops across a record swathe of farmland 7 per cent bigger than last year, promising a bumper harvest in Asia's third-biggest economy, despite the rapid spread of coronavirus.

Farm ministry data shows growers sowed 108.2 million hectares (267.4 million acres) with crops such as rice, corn, cotton, soybeans and sugarcane.

Planting began on June 1, when monsoon rains typically hit India, where nearly half of farmland does not receive irrigation.

"We're confident that food production will cross the target of 298.32 million tonnes in the 2020-21 crop year," said Farm Minister Narendra Singh Tomar, praising farmers for the record acreage.

Such a harvest would outstrip the previous year's record output of 295.67 million tonnes.

Between Friday and June 1, farmers planted a greater acreage of every single summer crop than last year, the data showed.

Rice, the main food crop of the world's second-most populous nation, was planted across 38.9 million hectares (96.1 million acres), up from 35.4 million hectares (87.4 million acres) in the year-earlier period.

Oilseeds were planted across 19.3 million hectares (47.6 million acres), up from 17 million hectares (42 million acres).

Sowing of soybean, the main summer oilseed crop, stood at 12 million hectares (29.6 million acres), versus 11.3 million hectares (27.9 million acres).

Sugar cane planting was marginally higher, at 5.2 million hectares (12.8 million acres).

Protein-rich pulses, a staple of the Indian diet, were planted across 13.4 million hectares (33.1 million acres), up from last year's 12.9 million hectares (31.9 million acres).

Corn acreage of 8 million hectares (19.8 million acres) exceeded last year's 7.9 million hectares (19.5 million acres).

The area planted with cotton totalled 12.8 million hectares (31.6 million acres) against 12.5 million hectares (30.9 million acres).

The farm ministry could revise its preliminary planting figures, however, as more data flows in from Indian states.

After a spell of patchy rain in the last two weeks of July, India received rainfall in August that was 24% above the average, a trend weather officials see as likely to run until the end of the month. AGENCIES

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

# August receives 25% surplus rainfall, highest in 44 yrs: IMD

OUR CORRESPONDENT

**NEW DELHI:** India has received the highest rainfall in the month of August in the last 44 years, IMD data shows, as several parts of the country have witnessed floods. Until August 28, the month recorded a 25-per cent surplus rainfall. It has also surpassed the previous highest rainfall in August, which was recorded in 1983. In that year, August had recorded a 23.8-per cent excess rainfall.

The India Meteorological Department (IMD) data shows that in August 1976, the country had recorded a 28.4-per cent excess rainfall.

The country has so far recorded nine-per cent more rainfall than normal. Bihar, Andhra Pradesh, Telangana, Tamil Nadu, Gujarat, Goa have recorded excess rainfall while Sikkim has recorded a large excess. Many states have seen floods after the swelling of rivers.

Vehicles move through a waterlogged road after heavy rain, in Bhopal

According to the Central Water Commission (CWC), the overall storage position of the reservoirs in the country till August 27 is better than the corresponding period of last year. It is also better than the average storage of the last 10 years during the corresponding period, the CWC said.

"Better than normal storage" is available in the basins of the Ganga, Narmada, Tapi, Mahi, Sabarmati, the rivers of Kutch, Godavari, Krishna, Mahanadi and the neighbouring east-flowing rivers, Cauvery and the neighbouring east-flowing rivers and west-flowing rivers of south India, the CWC said.

The Union Territory of Jammu and Kashmir, Manipur, Mizoram and Nagaland have recorded a deficient rainfall.

The official rainfall season in the country is from June 1 to September 30. June received 17-per cent more rainfall while July recorded 10-per cent less rainfall than normal.

In its Long Range Forecast for rainfall in the second half (August-September) of the 2020 Southwest Monsoon, the IMD had said August was likely to receive rainfall that is 97 per cent of the LPA, with an error margin of plus/minus nine per cent. "Quantitatively, the rainfall over the country as a whole during the second half of the season is likely to be 104 per cent of the LPA with an error margin of plus/minus eight per cent," it said.

The LPA rainfall over the country for the 1961-2010 period is 88 centimetres.

Monsoon in the range of 96-104 per cent of the LPA is considered normal.

**Telangana Today 30-August-2020**

Telangana Today

The Rampur pumphouse on the Sriram Sagar flood flow canal. The vast greenery near the project has turned the area into a picturesque spot.

## Jansatta 30-August-2020

25 फीसद ज्यादा बारिश से भरे जलाशय | आफत | कई राज्यों में नदियां उफनीं, बाढ़ के हालात

# अगस्त में टूटा 44 साल का बारिश का रेकार्ड

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 29 अगस्त।

देश भर में अगस्त महीने में बीते 44 साल में सबसे ज्यादा बारिश हुई। इस कारण कई राज्यों में नदियों में उफान के साथ बाढ़ के हालात हैं। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के आंकड़ों के मुताबिक इस साल अगस्त महीने में 28 तारीख तक 25 फीसद अधिक वर्षा दर्ज की गई है। इससे पहले 1976 में अगस्त महीने में सामान्य से 23.8 फीसद अधिक बारिश हुई थी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के आंकड़ों के अनुसार देश में अब तक कुल मिलाकर सामान्य से नौ फीसद अधिक बारिश हुई है। बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, गुजरात और गोवा में अधिक बारिश दर्ज की गई है, वहीं सिक्किम में अत्यधिक वर्षा हुई है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्लूसी) के अनुसार देश में 27 अगस्त तक जलाशयों की कुल क्षमता पिछले साल की इसी अवधि से बेहतर है। यह पिछले दस साल में इसी अवधि में औसत भंडारण क्षमता से भी बेहतर है। सीडब्लूसी ने कहा कि गंगा, नर्मदा, तापी, माही, साबरमती की नदी घाटियों में, कच्छ, गोदावरी, कृष्णा, महानदी और कावेरी तथा दक्षिण भारत में पश्चिम की ओर बहती नदियों में पानी का स्तर सामान्य से अधिक है। हालांकि ज्यादा बारिश के कारण देश के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं।

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर, मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड में इस साल कम बारिश हुई है। देश में सामान्य मानसून का मौसम एक जून से 30 सितंबर तक होता है। जून में देशभर में 17 फीसद अधिक वर्षा हुई थी, वहीं जुलाई में सामान्य से 10 फीसद बाकी पेज 8 पर

### एक से 28 अगस्त तक बारिश

आइएमडी के आंकड़ों पर नजर डालें तो एक अगस्त से 28 अगस्त तक देशभर में 296.2 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि बीते कई साल के आंकड़े हैं कि इसी महीने के दौरान औसत बारिश 237.2 मिलीमीटर होती है। इस प्रकार, देशभर में अगस्त में औसत से 25 फीसद ज्यादा बारिश हुई है। इससे पहले 1976 में अगस्त महीने के दौरान औसत से 23.8 फीसद ज्यादा बारिश हुई थी।

### 1926 में सबसे अधिक बारिश

साल 1926 में अगस्त के महीने में अब तक सबसे ज्यादा 33 फीसद बारिश हुई थी। इस साल देश भर में नौ फीसद ज्यादा बारिश हुई। भारत के दक्षिणी हिस्से में 23 फीसद ज्यादा बारिश हुई। मध्य भारत में इस साल ये आंकड़ा 16 फीसद रहा, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत में इस साल 12 फीसद कम बारिश हुई। पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में चार फीसद ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

## Haribhoomi 30-August-2020

देश के कई राज्यों में अब तक सामान्य से 25 % ज्यादा बारिश

# अगस्त में बारिश ने 44 साल का तोड़ा रिकॉर्ड, कई राज्यों में अलर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश में जुलाई में मानसून सामान्य से 10 फीसदी कम रहा लेकिन अगस्त में पड़ी बारिश ने दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 28 अगस्त तक देश में 25 फीसदी ज्यादा बारिश पड़ी है। हाल ही के हफ्तों में दक्षिण और केंद्रीय भारत में बारिश ने 44 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय मौसम विभाग के डाटा के अनुसार इससे पहले भारत में अगस्त महीने में इतनी बारिश साल 1976 में देखी गई थी, जब सामान्य से 28.4 फीसदी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगले तीन दिन तक सक्रिय मानसून की यही स्थिति रहेगी।

**देश के कई राज्य इस समय बारिश और बाढ़ से बेहाल हैं। मैदान से लेकर पहाड़ तक सैलाब के कहर से परेशान हैं। उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में नदियों-नालों ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। भारी बारिश के कारण पहाड़ों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं तो वहीं मैदानी राज्यों में बाढ़ के पानी ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है।**

### अगस्त में औसतन 296.2 मिमी बरसात

पूरे देश में अगस्त महीने में औसतन 296.2 एमएम बारिश पड़ चुकी है जबकि सामान्य तौर पर इस महीने में भारत में 237.1 एमएम बारिश पड़ती है। अगर यही आंकड़ों में देखा जाए तो साल 1988 के बाद से भारत में इस साल अगस्त महीने में पड़ने वाली बारिश ज्यादा हो सकती है। 1988 में 329.6 एमएम बारिश पड़ी थी। केंद्रीय भारत में अगस्त महीने में सामान्य से 57 फीसदी ज्यादा बारिश पड़ चुकी है और दक्षिण भारत में 42 फीसदी ज्यादा बारिश पड़ चुकी है।

### ओडिशा में बिगड़े हालात, 12 की मौत

ओडिशा में मानसूनी बारिश कहर बनकर टूट रही है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण राज्य के कई जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं और लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में अभी तक बाढ़ से 12 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, दो लोग 25 अगस्त से लापता भी बताए जा रहे हैं। बाढ़ से बिगड़े हालात में राहत और बचाव दल भी लोगों की मदद के लिए लगातार

**मुंबई में येलो अलर्ट:** मुंबई और उसके उपनगरों में शुक्रवार सुबह से लगातार हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शनिवार यानी आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 31 अगस्त तक मुंबई में मध्यम बारिश के साथ आसमान में बादल छाये रहने की संभावना है।

## नदी-नाले उफान पर, कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कटा

# छत्तीसगढ़ में तीन दिन से भारी बारिश का दौर जारी, कई इलाकों के घरों में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सावन के बाद सक्रिय हुए मानसूनी तंत्र के कारण प्रदेश में पिछले तीन दिन से लगातार बारिश जारी है। इसके चलते प्रदेश के नदी-नाले उफान पर हैं। कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। मुरूम और मिट्टी के मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। जिलों के प्रमुख नगरों में सड़कें दरिया बन गईं और घरों में पानी भरने से तालाब जैसा नजारा बन गया। शुक्रवार को पूरे प्रदेश में 1052.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। जबकि 901 मिमी सामान्य बारिश है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में भी भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने अनुसार छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में एक निम्न दाब का क्षेत्र बना हुआ है, जो मध्य प्रदेश के ऊपर तक स्थित है। इसके साथ ही हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 7.6 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। मानसून द्रोणिका गंगानगर, नारनौल, शिवपुरी एवं निम्न दाब का क्षेत्र मिदनापुर और उसके बाद दक्षिण पूर्व दिशा में आगे बढ़ते हुए उत्तर बंगाल की खाड़ी तक फैला है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के अनुसार प्रदेश में 29 अगस्त को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

### राजनांदगांव : नदी-नाले उफान पर

बारिश शुक्रवार दोपहर जिले के चार जलाशयों से 32 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके बाद शिवनाथ में उफान बढ़ गया। नदी किनारे के खेत डूब गए हैं। नालों में उफान से खैरागढ़-दुर्ग-जालबांधा और गंडई से रायपुर मार्ग बंद हो गया है। खैरागढ़ में आमनेर, मुस्का और पिपरिया तीनों नदियां उफान पर हैं। नगर की कई बस्तियां टापू बन गई हैं। गंडई में भी नर्मदा मंदिर जलमग्न हो गया है।

### जांजगीर : सैकड़ों कच्चे मकान ढहे

बारिश से जैजैपुर, बलौदा सहित अन्य तहसीलों में सैकड़ों कथो मकान ढहने की सूचना है। शिवरीनारायण में महानदी के पुल से एक फीट ऊपर पानी बह रहा है। जांजगीर और चाम्पा के बीच घुंडी नाला उफान पर हैं। इससे दोनों शहर का संपर्क टूट गया है। केरा से शिवरीनारायण मार्ग में कंजी नाला भी उफान पर है। सिवले हिस्से में घरों में पानी घुस गया है।

### कोरबा : पुल पार करते वक्त बहे बाइक सवार

लीलागर नदी समेत नदी नाले उफान पर हैं। सुबह बॉडी रेकी मार्ग के पुल से लगभग तीन फीट ऊपर पानी बह रहा है। रेकी प्लांट से काम कर लौट रहे तीन युवक तेज बहाव में बाइक सहित बह गए। ग्रामीणों ने किसी तरह उनकी जान बचाई। दो बाइक मिल गई, लेकिन एक की बाइक बह गई। बांकीमोंगरा के जंगल साइड बस्ती में चार कथो मकान ढह गए।

### धमतरी : बांध के गेट खोलने की नौबत

लगातार बारिश से धमतरी जिले के गांवों में बाढ़ के हालात हैं। जिले के चारों बांध गंगरेल, दुधावा, सोंढूर, बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव बांध (मुरूमसिल्ली बांध) में पानी की आवक लगातार बनी हुई। बांध से 20 हजार क्यूसेक जल नदी में प्रवाहित किया जा सकता है। नदी किनारे बसे सभी ग्रामवासियों को सतर्क रहने कहा गया है।

### रायगढ़ : सूरजगढ़ और चंद्रपुर बने टापू

जिले की महानदी, मांड नदी और केलो नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। चंद्रपुर व सूरजगढ़ नदी के बीच बसे होने के कारण टापू बन गए हैं। लात नाला में उफान के कारण सरिया-खरमकेला का संपर्क मुख्यालय से कट गया है। नदी के किनारे वाले गांव में अलर्ट जारी किया गया है। बारिश से कई स्थानों पर मकानों के ध्वस्त होने की सूचना है। प्रभावित लोगों को मुआवजा देने के लिए प्रकरण बनाए जा रहे हैं।

### छत्तीसगढ़ छोड़कर आगे बढ़ा चक्रवातीय घेरा

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए दो चक्रवातीय घेरों के असर छत्तीसगढ़ में पिछले एक सप्ताह से मौसम बिगड़ा हुआ है। अब यह चक्रवातीय घेरा छत्तीसगढ़ से आगे बढ़कर मध्यप्रदेश और झारखंड पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी दो- तीन दिनों तक राज्य में मौसम साफ रहेगा। कुछ जगहों पर इस बीच स्थानीय प्रभाव से बारिश होगी। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवातीय घेरा तैयार हो रहा है। अगले तीन-चार दिनों में यहां इसका असर दिखाई दे सकता है। यानी राज्य में अभी बारिश होती रहेगी। बिलासपुर में इस साल अब तक सर्वाधिक 1154 मिमी बारिश हो चुकी है। इसके अलावा रायपुर में 1017 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

### दुर्ग : शिवनाथ नदी के किनारे के गांवों में अलर्ट

शिवनाथ नदी पर स्थित महमरा एनीकट के ऊपर से करीब 10 फीट पानी बह रहा है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे आधा दर्जन गांवों में अलर्ट जारी किया है। दुर्ग के शंकर नगर, बीडी कॉलोनी उरला, सिकोला माठा क्षेत्र में कुछ घरों में पानी भर गया। प्रभावित करीब 250 लोगों के लिए निगम ने भोजन के पैकेट की व्यवस्था की है। जिला प्रशासन के अनुसार शिवनाथ का जलस्तर देर रात तक और बढ़ सकता है।

### जशपुरनगर : कच्चा मकान गिरने से बच्चे की मौत

जिले के फरसाबहार तहसील में अब तक तीन कथो मकान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इन हादसों में एक आठ साल के बच्चे की मौत के साथ चार बच्चे और एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। बारिश का ऐसा रौद्र रूप चार साल पहले 2016 में देखने को मिला था। 24 घंटे हुई बारिश से तालाब छलकने लगे हैं।